जालोर जिले के लिए अच्छी खबर, रेल सुविधाओं में विस्तार की उम्मीद

भीलड़ी-पाटन रेलवे ट्रेक का काम अंतिम चरण में, अब फेरे बढ़ने के साथ नई ट्रेनों की उम्मीद

इस रेल लाइन का कार्य पूरा होने के साथ सीआरएस निरीक्षण के बाद मार्च माह तक ट्रेक सुचारू होने की जताई जा रही संभावना

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जालोर. करीब 7 साल से अटके पड़े भीलड़ी-पाटन रेल लाइन का काम अंतिम चरण में हैं और मार्च तक काम पूरा होने के साथ इसका सीआरएस निरीक्षण भी होने की संभावना है। जिसके बाद यह रेलवे ट्रेक शुरूहोने के साथ समदड़ी-भीलड़ी रेल खंड से चलने वाली ट्रेनों के लिए इंजन को बदलने में लगने वाले समय की बचत होगी और भीलड़ी और पालनपुर में रिवर्सल नहीं होने से सफर में एक से डेढ़ घंटे तक की बचत होगी और इस नए रूट के खाली रहने से लंबी दूरी की ट्रेनों के फेरे बढ़ने के साथ साथ नई ट्रेनों के संचालन की आस भी जगी है। इससे पूर्व वेस्टर्न रेलवे के अधिकारी भी ट्रेक व्यस्त होने और समयाभाव का कारण बताते हुए संचालित ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और नई ट्रेनों को ट्रेक पर परमिशन से आनाकानी कर रहे थे।

जानिए क्यों महत्वपूर्ण है यह ट्रेक

जालोर से अहमदाबाद या मुंबई तक जाने वाली ट्रेनों के लिए दो स्थान भीलड़ी और पालनपुर में रिवर्सल (इंजन) को बदला जाता है।इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 1 घंटे का अतिरिक्त समय लगता है। पूर्व में बीकानेर-दादर और अहमदाबाद की ट्रेनों के फेरे बढ़ाने में रेलवे की ओर से समय की पाबंदी को मुख्य कारण बताया गया था। इसमें रिवर्सल में लगने वाला समय भी महत्वपूर्ण है। पाटन रेल लाइन शुरू होने पर इंजन को बदलने की जरुरत नहीं होगी।ऐसे में समय की बचत होगी। इस आधार पर फिलहाल चलने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ने के साथ साथ नई ट्रेनें भी चल सकेंगी।

भीलड़ी-पाटन के बीच रानी का बाव स्थित रेल पटरी का निरीक्षण करते जनप्रतिनिधि। पत्रिका

विशेष पहचान है रानी की बाब

इस ट्रेक के लिए सर्वे काफी समय पूर्व हो चुका था, लेकिन सर्वे के अनुसार रेल लाइन जहां से गुजरनी थी उसके बाद ऐतिहासिक धरोहर रानी की बाब है। यह 11 वी शताब्दी में भीमदेव प्रथम द्वारा बनाई गई एक विशालकाय बावड़ी है। जिसमें खजुराहो के समकक्ष ही भाव भंगिमाओं की प्राचीन मूर्तियां भी लगी हुई है।

पुरातत्व विभाग का तर्क था की बावड़ी के नजदीक से ट्रेक गुजरने से बावड़ी को न केवल नुकसान होगा, बल्कि इसमें बनी प्रतिमाओं को भी नुकसान पहुंचेगा। इस बावड़ी के ऐतिहासिक महत्व को भारत सरकार ने भी स्वीकारा है और हाल ही में जारी 100 रुपए के नए नोट पर बकायदा रानी का बाव का चित्र भी अंकित किया गया है।

सांसद विधायक ने किया निरीक्षण

अंतिम स्तर पर चल रहे भीलड़ी पाटन रेल रूट का रविवार को जालोर-सिरोही सांसद देवजी पटेल और जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे के अधिकारियों से भी प्रोजेक्ट की टाइम लाइन के बारे में जानकारी ली। इस दौरान भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अमीचंद जैन, कृषि मंडी के पूर्व चैयरमेन दीपसिंह धनानी, शंकरलाल भादरु, ओबाराम देवासी, प्रवासी पुखराज राजपुरोहित वीराणा भी मौजूद रहे।

ये है फैक्ट फाइल...

- **223.44** किमी है समदड़ी-भीलड़ी रेल खंड
- **162** किमी जालोर है भीलड़ी की दूरी
- **51** किमी नया रेल रूट भीलड़ी पाटन
- **160** करोड़ का प्रोजेक्ट अंतिम चरण में
- **2** स्थानों पर इंजन को बदलना पड़ता है अभी

7 साल से अटका रहा था प्रोजेक्ट

भीलड़ी-पाटन के बीच की दूरी 51 किमी है और इस रेल रूट का सीधा फायदा जालोरजिलेवासियों को ही होना है, लेकिन करीब 5 साल से यह मामला करीब 1 किमी क्षेत्र विवादित होने से अटका पड़ा था। इस क्षेत्र में रानी की वाव ऐतिहासिक धरोहर होने से पुरातत्व विभाग ने प्रोजेक्ट पर रोक लगाई थी। जालोर सांसद देवजी पटेल ने इस मामले में रेलवे बोर्ड और पुरातत्व विभाग के अधिकारियों और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत की, जिसके बाद रेलवे और पुरातत्व विभाग की सहमति के बाद पूर्व के सर्वे में करीब 500 मीटर का बदलाव किया गया और अब नया ट्रेक रानी की बाव से पर्याप्त दूरी के साथ लगभग तैयार हो चुका है और इसका फायदा जालोर वासियों को मिलने वाला है।

इनका कहना है...

फरवरी-मार्च तक ट्रेक शुरू हो जाएगा। नए ट्रेक के बाद लंबी दूरी की ट्रेनों के फेरे बढ़ने के साथ नई ट्रेनें भी संचालित होगी।

- देवजी पटेल, सांसद

यहां के यात्रियों के लिए भीलड़ी-पाटन रेल लाइन बड़ी सौगात साबित होगी। इससे जालोर वासियों को ही फायदा मिलेगा।

- जोगेश्वर गर्ग, विधायक, जालोर

अंतिम चरण में चल रहा काम

जालोर-समदड़ी रेल खण्ड के लिए भीलड़ी-पाटन रेल लाइन पर इन दिनों तेज गति से काम चल रहा है। यह काम पूरा होने के बाद इस रूट पर ट्रेनें चल पाएंगी। इससे जालोरवासियों को फायदा होगा।

- प्रदीप कुमार शर्मा, जन सम्पर्क अधिकारी, वेस्टर्न रेलवे, अहमदाबाद

पाटन से सीधा जुड़ेगा मेहसाणा, रानी का वाव पर ट्रैक का सांसद व विधायक ने किया निरीक्षण

51 किलोमीटर नई लाइन बिछाने का हुआ काम, पाटन से सीधा मेहसाणा से होगा जुड़ाव

भास्कर न्यूज | जालोर

रेल यातायात के जरिए सफर करने वाले जालोरवासियों के लिए खुशखबरी है। गुजरात में रानी का वाव (पाटन) में नई रेल लाइन बिछाकर ट्रैक को सीधा पाटन से मेहसाणा जोडऩे का काम पूरा होने की कगार है। गणतंत्र दिवस पर जालोर सांसद व विधायक ने रानी का वाव में ट्रैक का निरीक्षण कर रेल अधिकारियों से जानकारी ली। जहां अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो चुका है। अब सुरक्षा जांच निरीक्षण करने के बाद रेल यातायात शुरू किया जा सकेगा। शनिवार को सांसद देवजी एम पटेल, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अमीचंद जैन, जालोर नगराध्यक्ष ओबाराम देवासी, दीपसिंह धनानी, पुखराज राजपुरोहित, भाजपा एससी प्रकोष्ठ के शंकरलाल भादरू समेत जालोरवासियों ने रानी का वाव स्थल पर ट्रैक का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस संबंध में व कार्य प्रगति के बारे में जानकारी दी।

सीधे अमहदाबाद से हो जाएगा जुड़ाव : इससे पहले जोधपुर से जालोर होते हुए जाने वाली रेल भीलड़ी के बाद डीसा व पालनपुर-मेहसाणा होते हुए अहमदाबाद पहुंचती थी। इससे समय अधिक लगता था। साथ ही प्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब यह ट्रैक बिछाने से भीलड़ी से पाटण होते हुए मेहसाणा से ट्रैक जुड़ गया है। पालनपुर नहीं जाना पड़ेगा। जिस कारण समय की बचत होगी। बड़ी संख्या में जालोर जिले के प्रवासी गुजरात, महाराष्ट्र में व्यवसायरत है। उनकी सुविधा के लिए लंबे समय से इसकी मांग उठाई जा रही थी।

जालोर. नए रेलवे ट्रैक का निरीक्षण करते सांसद पटेल व विधायक गर्ग।

जालोरवासियों को एक नई रेल जल्द मिलेगी

कार्य प्रगति पर है। आगामी कुछ ही दिनों में इस ट्रैक पर रेल यातायात शुरू कर दिया जाएगा। इससे अब भीलड़ी से पालनपुर की बजाय भीलड़ी से पाटण होते हुए सीधे मेहसाणा से जुड़ाव हो जाएगा। मंत्री से भी मुलाकात कर इसे जल्दी शुरू करवाने की मांग की है।
- देवजी एम पटेल, सांसद, जालोर

हमने सरकार पर पूर्ण दबाव बनाए रखा

जालोरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। अहमदाबाद पहुंचने में कम समय लगेगा। इसके लिए हम निरंतर प्रयास में थे। इस बार सांसद पटेल ने पूर्ण दबाव बनाते हुए काम शीघ्र करवाया। यह फायदा विशेषकर जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जोधपुर के यात्रियों को मिलेगा।
-जोगेश्वर गर्ग, विधायक जालोर